एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

श्री विक्रम संवत 2083 सोमवार, 25 मई 2026, वर्ष 7,

PAGE NO : III TOP

मां-बाप को अब घर में दो रोटी के लाले

बरेली, अमृत विचार। एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में कवि सम्मेलन ' साहित्य सरिता' का आयोजन हुआ।

डॉ.संजना साइमन ने तेरी बुराई का ख्याल भी सिर्फ उन्हें ही आता है, तेरा आगे निकल जाना जिन्हें सताता है'जीने की थी चाहत जी न सकी, एक उलझन थी मन में, कभी कह नहीं सकी' सुनाया। बदायूं के प्रभाकर सक्सेना ने 'कलयुग तेरे आज हैं देखे कितने गजब नजारे हैं, माँ-बाप को अब घर में दो रोटी के लाले हैं सुनाकर विमर्श गढ़ दिया। मुरादाबाद के मनोज वर्मा 'मनु'' ने 'कितने सुख दुःख झेले होगें, हमको यह अहसास नहीं था, जब तक पास रही माँ उसमें, तब तक यूं कुछ खास नहीं था' सुनाकर भावनाओं के सागर में डुबोया। बरेली के डॉ अनुज कुमार ने 'कल्पना, संवेदना और क्षमता अवलोकन की, भाव, अभिव्यक्ति और भावना निरूपण की' सुनाकर तालियां बटोरीं। पूरनपुर के विकास आर्य 'स्वप्न', गाजियाबाद की सीमा सागर शर्मा ने भी कवितापाठ किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चैयरमेन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, देविशा मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. शैलेश सक्सेना, डा. आशीष कुमार, डा. रीता शर्मा मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. अनुज कुमार ने किया।